

**प्रदेय वि.** (तत्.) 1. प्रदान करने के योग्य, दिए जाने योग्य, संवहन किए जाने के उपयुक्त 2. विवाह योग्य कन्या।

**प्रदेश पुं.** (तत्.) 1. स्थान, जगह, सूबा, प्रांत, क्षेत्र, देश, मंडल 2. भौगोलिक दृष्टी से किसी भूभाग या देश विशेष का वह हिस्सा जो भाषा, जलवायु, रीति-रिवाज, व्यवहार, प्रशासन या अन्य किसी आधार पर शेष से भिन्न हो उदा.- हिंदी भाषी प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ठंडा प्रदेश, कबिलाई प्रदेश, नक्सली प्रदेश, मरु प्रदेश आदि 3. शरीर का भाग विशेष या अंग विशेष जैसे- कटि प्रदेश, कंठ प्रदेश आदि 4. बित्ता, बालिख 5. निश्चय, निर्धारण, संकेत 6. दीवार 7. व्याकरण में उदाहरण।

**प्रदेशवादी वि.** (तत्.) अन्य प्रदेशों की तुलना में केवल अपने प्रदेश के लिए जोर-शोर से आवाज उठाने वाला।

**प्रदेशी स्त्री.** (तत्.) प्रदेश-संबंधी, प्रदेश का।

**प्रदोल पुं.** (तत्.) झूला, हिंडोला, झूले या हिंडोले का विस्तार या पैंग अथवा गति।

**प्रदोष पुं.** (तत्.) 1. बुरा, भ्रष्ट 1. दोष, त्रुटि, पा, अपराध 3. अव्यवस्थित स्थिति, विद्रोह, बगावत 4. सूर्य के अस्त होने का समय, संध्याकाल, रात्रि का आरंभ।

**प्रदोषकाल पुं.** (तत्.) रात्रि का आरंभ, सायंकाल।

**प्रदौहित्र पुं.** (तत्.) 1. पुत्री का पौत्र, दौहित्र 2. पुत्र।

**प्रद्योत पुं.** (तत्.) किरण, दीप्ति, कांति चमक, प्रकाश, जगमगाहट, रोशनी, आभा, रश्मि।

**प्रद्योतन पुं.** (तत्.) सूर्य, चमकना या चमकाना, जगमगाना, दीप्ति, आभा, चमक।

**प्रद्वार पुं.** (तत्.) 1. दरवाजे या फाटक के सामने का स्थान, तोरण 2. बंदरगाह, पत्तन।

**प्रधमन पुं.** (तत्.) फूँकना, लंबी साँस लेना या मारना। **आयु.** 1. शरीर में किसी छिद्र या गुहा

से वायु, गैस, चूर्ण आदि फूँकने की क्रिया 2. किसी औषधि को नाक से सूँघकर ऊपर चढ़ाना।

**प्रधमनित्र पुं.** (तत्.) प्रधमन का उपकरण दे. प्रधमन।

**प्रधर्ष पुं.** (तत्.) हमला, चढ़ाई, आक्रमण बलात्कार, अपमान, दुर्व्यवहार।

**प्रधर्षक वि.** (तत्.) प्रधर्ष करने वाला दे. प्रधर्ष।

**प्रधर्षण पुं.** (तत्.) दे. प्रधर्ष।

**प्रधर्षणा स्त्री.** (तत्.) दे. प्रधर्ष।

**प्रधर्षित वि.** (तत्.) जिस पर आक्रमण किया गया हो, आक्रांत, जिसके साथ बलात्कार किया गया हो, अपमानित।

**प्रधान पुं.** (तत्.) 1. मुख्य या अत्यावश्यक वस्तु, नेता, मुखिया, सरदार, सचिव, मंत्री (संस्था आदि का) अध्यक्ष या सबसे बड़ा अधिकारी 2. परमात्मा 3. बुद्धि 4. किसी मिश्रण का मुख्य घटक दर्श. विश्व का उपादान कारण, मूल प्रकृति, मूल, प्रमुख, उत्तम **वि.** (तत्.) सबसे श्रेष्ठ या मुख्य, विशेष, खास।

**प्रधान कार्यालय पुं.** (तत्.) किसी व्यापारिक संस्था या निकाय आदि का प्रमुख कार्यालय जहाँ से उस संस्था या निकाय की अधीनस्थ सभी शाखाओं तथा उसके अधीनस्थ छोटे कार्यालयों को संचालित एवं नियंत्रित किया जाता है **टि.** मुख्यालय (head quarter) सब शाखाओं का एक होता है जिसमें संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठतम अधिकारी बैठते हैं और जिसमें सभी नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं और उन नीतियों के कार्यान्वयन के लिए निर्देश दिए जाते हैं और समग्र रूप से प्रगति की समीक्षा की जाती है, जबकि विभाजन कार्य और क्षेत्र आदि के अनुसार प्रधान कार्यालय (head office) एक से अधिक भी हो सकते हैं।

**प्रधानतः क्रि.वि.** (तत्.) मुख्यरूप से, प्रधान रूप में।

**प्रधानतत्व पुं.** (तत्.) दे. प्रधानता।